कुंजी

2.5.24

DATE
PAGE No. 1

टेंडर हार्ट हाई स्कूल, सेक्टर 33-B, चंडीगढ़

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा कुंजी

विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-3) 'समय की सुरंग' के प्रश्नोत्तर

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- संक्षेप में

उत्तर (क) कालयात्री ने कालयंत्र पर बैठकर जब अपनी आँखें खोली तो उसने स्वयं को एक हरे-भरे मैदान में पाया। उसके सामने एक विशाल मूर्ति थी। मिस्र के पिरामिडों के पास बने स्फिंक्स जैसी मूर्ति के दोनों ओर पंख थे। मूर्ति से कुछ दूरी पर गगनचुंबी अट्टालिकाएँ थीं। कुछ समय तक कालयात्री को उस स्थान पर कोई व्यक्ति नज़र नहीं आया, लेकिन कुछ देर बाद ही उसे घंटियों की मधुर ध्वनि सुनाई दी। कुछ नन्हे व सुंदर लोग उसके पास आकर उसे आश्चर्य से देखने लगे।

उत्तर (ख) मारलॉक लोग प्रकाश के समय छायादार शेड के नीचे बने कुएँ में रहते थे। कालयात्री मारलॉक की दुनिया देखने के लिए तेज़ी से कुएँ में उतरा। थोड़ी देर में वह धरातल पर पहुँच गया। उसने माचिस की तीली जलाई तो उसे एक सुरंग दिखाई दी। वहाँ से उसे कई मशीनों के चलने की आवाज़ें भी सुनाई दीं। कालयात्री उसी दिशा में आगे बढ़ा। थोड़ी दूर जाने पर उसने देखा कि सुरंग खत्म हो गई है और एक खुली जगह में तरह-तरह की मशीनें लगी हुई हैं। वह आवाज़ उन्हीं मशीनों की थी। उन मशीनों के पीछे मारलॉक लोग छिपे थे। कालयात्री ने तुरंत माचिस की तीली जलाई और कुएँ की सीढ़ियों के सहारे बाहर आ गया।

विस्तार से :- (क) कालयात्री वीणा को साथ लेकर नीली इमारत देखने गया था।
(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कुंजी

DATE 2.5.24
PAGE No. 2

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-3 'समय की सुरंग' के प्रश्नोत्तर)

जब वे दोनों इमारत के बाहर आए तो अँधेरा हो गया था। कालयात्री जल्द से जल्द पंखदार मूर्ति के पास पहुँचना चाहता था। रात में कालयात्री ने घास इकट्ठी करके एक मशाल बनाई और उसमें आग लगा दी। अँधेरे के कारण वीणा पहले तो भय से पीली पड़ती जा रही थी लेकिन आग देखते ही वह प्रसन्नता से तालियाँ बजाने लगी। वे दोनों आगे बढ़े। आगे अंधकार में मारलॉक लोगों ने कालयात्री को घेर लिया। उन्हें पास पाकर वीणा भय के मारे बेहोश हो गई। कालयात्री ने वीणा को कंधे पर उठाया और लोहे का डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ने लगा। अवसर पाकर उसने माचिस की तीली जलाई। उसकी रोशनी में मारलॉक भाग खड़े हुए लेकिन तीली के बुझते ही वे कालयात्री पर टूट पड़े। वे लोग उससे लिपट गए और उसके बाल पकड़कर उसे खींचने की कोशिश करने लगे। कालयात्री ने बड़ी शक्ति लगाकर उन पर हमला जारी रखा। सहसा जंगल में आग लग गई और उसके प्रकाश के कारण मारलॉक लोग चीखकर भाग खड़े हुए लेकिन इस भाग-दौड़ में वीणा कालयात्री से बिछुड़ गई। कालयात्री ने उसे खोजने की बहुत कोशिश की लेकिन वह न मिली।

उत्तर(ख) वीणा को खो देने के बाद, हारकर कालयात्री पुनः पंखदार मूर्ति की ओर बढ़ा। पंखदार मूर्ति के पास पहुँचते ही वह चौंक गया क्योंकि चबूतरे में एक द्वार निकल आया और सामने ही उसका कालयंत्र था। कालयात्री तुरंत अपने कालयंत्र की ओर दौड़ा। वहाँ पहुँचते ही वह कालयंत्र का निरीक्षण करने लगा। उसी समय बहुत ज़ोर की आवाज़ आई और चबूतरे का द्वार बंद हो गया। मारलॉक बहुत चतुर थे।

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कुंजी

DATE _ 2.5.24
PAGE No. 3

कक्षा- आठवीं शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-3 'समय की सुरंग के प्रश्नोत्तर)

उन्होंने चतुराई से द्वार खोलकर कालयात्री को फँसाया था।

उत्तर (ग) कालयात्री एक वैज्ञानिक था। उसने एक मशीन का निर्माण किया था। इस मशीन का नाम उसने 'टाइम मशीन' रखा था। उसका दावा था कि उसकी यह मशीन काल की यात्रा करने में सक्षम थी। कालयंत्र अर्थात् टाइम मशीन पर बैठकर अतीत में जाया जा सकता था और भविष्य की सैर भी हो सकती थी। उसके दोस्तों ने उसे 'कालयात्री' कहकर नया नाम दे दिया। उसने अपने दोस्तों को इस मशीन के बारे में कई बार बताया था, इसीलिए कालयात्री ने उस दिन उन सबको भोज के लिए बुलाया था।

सब बच्चे इन प्रश्नोत्तर को अपनी साहित्य की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे एवं याद करेंगे।

(अंतिम पृष्ठ - 3)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner